बी0 ए0 प्रथम वर्ष (सामान्य हिन्दी)

बी0ए0, बी0एस0सी0, बी0कॉम0 के लिए अनिवार्य

पूर्णांक : 80 रेगुलर विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100 प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए
समय : तीन घण्टे

हिन्दी को उच्च शिक्षा की माध्यम-भाषा बनाने के लिए आवश्यक है कि मानविकी, समाजविज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य आदि सभी संकायों के विद्यार्थी हिन्दी भाषा का अध्ययन करें । यह परीक्षा 100 अंकों की होगी । श्रेणी - निर्धारण में ये अंक जोड़े जाएंगे । सामान्य हिन्दी स्नातक, बी.ए.उत्तीर्ण (पास कोर्स) पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए भी निर्धारित है ।

निर्धारित पुस्तकें

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी — प्रोफ़ेसर श्रीराम शर्मा, कमल प्रकाशन, बिलासपुर, हि0प्र0, मूल्य 75 रु0 ।

पाठ्य विषय

1 (1) पत्राचार-अनुवाद, (2) मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ (3) शब्द-शुद्धि, वाक्य-शुद्धि, शब्द-ज्ञान (4) पर्याय-विलोम (5) अनेकार्थी, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (6) देवनागरी लिपि : विशेषताएँ (7) कंप्यूटर में हिन्दी का प्रयोग (8) पारिभाषिक शब्दावली (9) कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ (10) अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद ।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

उपर्युक्त सभी (दस) पाठ्य विषयों में से शत-प्रतिशत विकल्प के साथ दस प्रश्न पूछे जाएंगे ।

4 x 10 = 40 अंक रेगुलर
5 x 10 = 50 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

2. रचना पुंज (पद्य-गद्य-संकलन) — (सं0) प्रोफ़ेसर कुमार कृष्ण, कमल प्रकाशन, बिलासपुर, हि0प्र0, मूल्य 45 रु0 ।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

(1) 'रचना पुंज' पुस्तक में से दो पद्यांशों तथा दो गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछी जाएगी ।

5 x 4 = 20 अंक रेगुलर
6½ x 4 = 26 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(2) 'रचना पुंज' पुस्तक में से एक-एक समीक्षात्मक प्रश्न (एक पद्य तथा एक गद्य) शत-प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा । समीक्षात्मक प्रश्न केवल रचना से ही सम्बद्ध रहेगा, रचनाकार से नहीं ।

10 x 2 = 20 अंक रेगुलर
12 x 2 = 24 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

बी0ए0हिन्दी प्रथम वर्ष (पास कोर्स)

काव्य (प्राचीन काव्य), निबन्ध और उपन्यास

पूर्णांक : 80 रेगुलर विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100 प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए
समय : तीन घण्टे

<u>निर्धारित पुस्तकें :</u>

1 प्राचीन काव्य : (सं0) प्रोफ़ेसर श्रीराम शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, मूल्य 50 रु0 ।
2 निबन्ध दशक : (सं0) प्रोफ़ेसर सरस्वती भल्ला, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, मूल्य 45 रु0 ।
3 गबन (उपन्यास) : प्रेमचन्द

<u>प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

(1) 'प्राचीन काव्य' में से चार पद्यांशों (दो 'खण्ड क' और दो 'खण्ड ख') की सन्दर्भ सहित व्याख्या शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछी जाएगी । दोनों खण्डों से दो-दो पद्यांशों की व्याख्या अनिवार्य रूप से करनी होगी । 5 x 4 = 20 अंक रेगुलर
6 x 4 = 24 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(2) 'प्राचीन काव्य' में से चार लघुत्तर/आलोचनात्मक प्रश्न (दो 'खण्ड क' और दो 'खण्ड ख') शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे । 5 x 4 = 20 अंक रेगुलर
6½ x 4 = 26 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(3) 'प्राचीन काव्य' में से पन्द्रह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दस के उत्तर देने होंगे । 1 x 10 = 10 अंक रेगुलर, प्राइवेट/पत्राचार सभी विद्यार्थियों के लिए

(4) 'निबन्ध-दशक' में से दो गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछी जाएंगी । 5 x 2 = 10 अंक रेगुलर
6 x 2 = 12 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(5) 'निबन्ध-दशक' में से एक आलोचनात्मक प्रश्न शत-प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा । 5 x 1 = 5 अंक रेगुलर
8 x 1 = 8 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(6) 'गबन' उपन्यास में से दो गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछी जाएंगी । 5 x 2 = 10 अंक रेगुलर
6 x 2 = 12 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(7) 'गबन' उपन्यास में से एक आलोचनात्मक प्रश्न शत-प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा । 5 x 1 = 5 अंक रेगुलर
8 x 1 = 8 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

बी0ए0 हिन्दी द्वितीय वर्ष (पास कोर्स)

काव्य (आधुनिक काव्य), कहानी और नाटक

पूर्णांक : 80 रेगुलर विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100 प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए
समय : तीन घण्टे

निर्धारित पुस्तकें :

1 काव्य निधि : (सं0) प्रोफ़ेसर सरस्वती भल्ला, स्वर्ण जयन्ती, दिल्ली, मूल्य 45 रु0 ।
2 कथा-वाहिनी : (सं0) प्रोफ़ेसर जगतपाल शर्मा, अरुणोदय प्रकाशन, दिल्ली, मूल्य 45 रु0।
3 लहरों के राजहंस (नाटक) : मोहन राकेश

प्राश्निक के लिए निर्देश :

(1) 'काव्य निधि' में से चार पद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछी जाएगी । 5 x 4 = 20 अंक रेगुलर
6 x 4 = 24 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(2) 'काव्य निधि' में से चार लघुत्तर/आलोचनात्मक प्रश्न शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे । 5 x 4 = 20 अंक रेगुलर
6½ x 4 = 26 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(3) 'काव्य निधि' में से पन्द्रह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दस के उत्तर देने होंगे । 1 x 10 = 10 अंक रेगुलर, प्राइवेट/पत्राचार सभी विद्यार्थियों के लिए

(4) 'कथा वाहिनी' में से दो गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछी जाएंगी । 5 x 2 = 10 अंक रेगुलर
6 x 2 = 12 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(5) 'कथा वाहिनी' में से एक आलोचनात्मक प्रश्न शत-प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा । 5 x 1 = 5 अंक रेगुलर
8 x 1 = 8 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(6) लहरों के राजहंस (नाटक) में से दो गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछी जाएंगी । 5 x 2 = 10 अंक रेगुलर
6 x 2 = 12 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(7) लहरों के राजहंस (नाटक) में से एक आलोचनात्मक प्रश्न शत-प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा । 5 x 1 = 5 अंक रेगुलर
8 x 1 = 8 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

बी0ए0 हिन्दी तृतीय वर्ष (पास कोर्स)

स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कविता, हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास एवं समीक्षा-सिद्धान्त तथा हिन्दी-साहित्य का इतिहास

पूर्णांक : 80 रेगुलर विद्यार्थियों के लिए
पूर्णांक : 100 प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए
समय : तीन घण्टे

<u>निर्धारित पुस्तकें :</u>

1 कविता कलश : (सं0) प्रोफ़ेसर कुमार कृष्ण, स्वर्ण जयन्ती, दिल्ली, मूल्य 40 रु0 ।

2 हिन्दी-भाषा का स्वरूप-विकास एवं समीक्षा-सिद्धान्त : (सं0) प्रोफ़ेसर जगतपाल शर्मा अरुणोदय प्रकाशन, दिल्ली, मूल्य 45 रु0 ।

3 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, पूर्वमध्यकाल, उत्तरमध्यकाल और आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ) कोई पुस्तक निर्धारित नहीं

<u>प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

(1) 'कविता कलश' पुस्तक में से चार पद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछी जाएगी ।
5 x 4 = 20 अंक रेगुलर
6 x 4 = 24 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(2) 'कविता कलश' पुस्तक में से चार लघुत्तर/आलोचनात्मक प्रश्न शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे ।
5 x 4 = 20 अंक रेगुलर
6½ x 4 = 26 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(3) 'कविता कलश' पुस्तक में से पन्द्रह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दस के उत्तर देने होंगे ।
1 x 10 = 10 अंक रेगुलर, प्राइवेट/पत्राचार सभी विद्यार्थियों के लिए

(4) 'हिन्दी-भाषा का स्वरूप-विकास एवं समीक्षा-सिद्धान्त' में से दो समीक्षात्मक प्रश्न (भाग-एम तथा भाग-दो में से शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे । 'भाग-एक' में से एक-एक अंक विभाजन इस
9 x 1 = 9 अंक रेगुलर
12 x 1 = 12 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

'भाग-दो' में से अंक विभाजन इस प्रकार है -
6 x 1 = 6 अंक रेगुलर
8 x 1 = 8 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए

(5) हिन्दी साहित्य के इतिहास से दो समीक्षात्मक प्रश्न शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे ।
7½ x 2 = 15 अंक रेगुलर
10 x 2 = 20 अंक प्राइवेट/पत्राचार विद्यार्थियों के लिए